भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न संख्या : **3137**
दिनांक 11 जुलाई , 2019 / 20 आषाढ़, 1941 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

कम लागत वाली विमान कंपनियों द्वारा मूल्य वृद्धि

3137. **श्रीमती ज्योत्सना चरणदास महंत:**

क्या **नागर विमानन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को जेट एयरवेज के बंद होने के बाद कम लागत वाली विमान कंपनियों द्वारा अधिरोपित की गई मूल्य वृद्धि की जानकारी है; और

(ख) क्या डीजीसीए के पास यात्रियों के हित में किराया वृद्धि को नियंत्रित करने हेतु कोई निगरानी प्रणाली है?

उत्तर

नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) (श्री हरदीप सिंह पुरी)

(क) : जी हाँ। जेट एयरवेज़ के बंद होने के पश्चात, डीजीसीए द्वारा, यादृच्छिक आधार पर चयनित, कुछ मार्गों के हवाई किरायों की निगरानी शुरू की गई। मौजूदा विनियमों के अनुसार, हवाई किराए, न तो सरकार द्वारा निर्धारित किए जाते हैं और न ही विनियमित किए जाते हैं। विनियमों की अनुपालन में सभी अनुसूचित अंतर्देशीय एयरलाइनों को अपनी-अपनी वेबसाइट पर मार्ग-वार और श्रेणी-वार किरायों का प्रदर्शन करना होता है।

(ख) जेट एयरवेज़ के प्रचालन में रोक के कारण पश्चात, अंतर्देशीय क्षेत्र की क्षमता में कमी आई। इस संबंध में, एयरलाइनों को जागरूक करने के लिए बैठकें आयोजित की गई। डीजीसीए द्वारा, यादृच्छिक आधार पर चयनित, कुछ मार्गों के हवाई किरायों की निगरानी शुरू की गई ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि एयरलाइनें उनके द्वारा घोषित सीमा से अधिक हवाई किराये न वसूले। निगरानी के दौरान, यह पाया गया कि हवाई किराए, निर्धारित किराया-वर्ग के भीतर ही थे। तथापि, हवाई किरायों में थोड़ी सी वृद्धि नोटिस की गई थी। इसके पश्चात, अंतर्देशीय एयरलाइनों द्वारा और अधिक विमानों को शामिल किए जाने से और उसके परिणामस्वरूप अंतर्देशीय क्षेत्र में हुई क्षमता वृद्धि से यह देखने में आया है कि किराए सामान्य हो गए हैं।

*****